

कुछ घरेलू नुस्खे

औषधी	समस्या	पद्धती
१. हल्दी	जखमसे बहनेवाला खून रोकने के लिये उपयुक्त।	आमला और हल्दी पानी में मिलाकर डेढ़ चम्मच रात में सोते समय पी ले।
२. तुलसी	खाँसी, जुकाम, बुखार आदी।	तुलसी के पत्तों का रस ५-१० मिली. मात्रा शहद के साथ निगले।
३. अद्रक	कफ दोष कम करनेके लिये, भूख बढ़ाने के लिये उपयुक्त, दमा और खाँसी इसपर भी गुणकारी	अद्रक का रस १ चम्मच और १ चम्मच शहद सुबह खाली पेट ले ले।
४. कुमारी	कलेजे की क्षमता सुधार के लिये। पाचन में सुधार होता है।	कुमारी आसव २/२ चम्मच मात्रा में उतनाही पानी मिलाकर भोजन के उपरान्त ले ले।
५. आमला	पित्तशामक दवा, बालोंको लाभदायक, शरीर की शक्ति बढ़ाता है।	रस, तेल या च्यवनप्राश स्वरूप में उपलब्ध है। लेकिन ताजे या सुखे आमले का भी उपयोग अच्छा होता है। पित्त प्रकोप के लिये आमले का चूरण १ या २ ग्राम शहद में मिलाकर ले ले।
६. परसिंगार	बुखार के लिये	इसके पत्तोंका रस या काढा बुखार में दिया जाता है। हरसिंगार बुटी भी शहद में मिलाकर बुखार में दी जाती है।